भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(खेल विभाग)

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 4322**

उत्तर देने की तारीख 29 मार्च, 2022

8 चैत्र, 1944 (शक)

## खिलाड़ियों का प्रदर्शन

4322. श्री मितेष पटेल (बकाभाई):

श्रीमती शारदा अनिल पटेल:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) अन्य देशों की तुलना में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के प्रदर्शन में सुधार के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं ?

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) और (ख) : अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में प्रतिभागिता के लिए तैयारी कर रहे खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) के माध्यम से देश और विदेश में उनके प्रशिक्षण और प्रतियोगिता एक्सपोजर के लिए नियमित रूप से सहायता प्रदान की जा रही है, जिसका वित्त पोषण राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता की स्कीम के अंतर्गत किया जाता है । इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में खिलाड़ियों/ टीमों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनके प्रदर्शन में सुधार करने के विचार से प्रमुख खेल स्पर्धाओं जैसे ओलंपिक्स, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने की संभावना वाले खिलाड़ियों के कस्टमाइज्ड प्रशिक्षण की जरूरतों को पूरा करने के लिए वर्ष 2014 से टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) कार्यान्वित की जा रही है । खिलाड़ियों को नियमित सहायता दिए जाने के अलावा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्वायत्त निकाय भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने पिछले पांच वर्ष के दौरान अनेक निर्णय लिए हैं और पहलें शुरू की हैं जिनका सारांश निम्नानुसार है :

(i) 2020 और 2024 ओलंपिक की तैयारी की निगरानी/ सहायता/ समन्वय और रणनीति बनाने के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री की अध्यक्षता में विभिन्न हितधारकों को शामिल करते हुए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन ।

(ii) अत्याधुनिक अवसंरचना और खेल सुविधाओं, खेल विज्ञान बैकअप, प्रशिक्षित आहारविदों द्वारा निर्धारित वैयक्तिक खुराक और सर्वश्रेष्ठ कोचों, योग्य सहायक स्टाफ और उच्च प्रदर्शन निदेशकों के तहत समग्र पर्यवेक्षण प्रदान करके उदीयमान एथलीटों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए साई द्वारा एनसीओई की स्थापना । वर्तमान में, देशभर में 23 साई केंद्रों को 24 खेलविधाओं में उदीयमान एथलीटों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एनसीओई के रूप में नामोदिष्ट किया गया है ।

(iii) सितंबर 2017 से टीओपीएस में शामिल उत्कृष्ट एथलीटों को 50,000 /- रुपये प्रति माह आउट ऑफ पॉकेट भत्ता (ओपीए) देना जो उत्कृष्ट एथलीटों को कस्टमाइज्ड प्रशिक्षण के लिए पहले से प्रदान की गई सहायता के अतिरिक्त है ।

(iv) 2024 और उसके बाद के लिए भारत की ओलंपिक तैयारियों के लिए अभिज्ञात युवा एथलीटों के लिए टीओपीएस में विकास ग्रुप बनाना । टीओपीएस डेवलपमेंट ग्रुप के तहत, प्रत्येक एथलीट को 25,000 /- प्रति माह रुपये का ओपीए और राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में कस्टमाइज्ड प्रशिक्षण के लिए सहायता मिलती है । ओलंपिक तैयारी के लिए एक संकेंद्रित दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए, 14 खेल विधाओं जैसे तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, साइक्लिंग फेंसिंग, हॉकी, जूडो, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, कुश्ती, भारोत्तोलन और रोइंग को ओलंपिक्स 2024 और 2028 और अन्य आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्टता के लिए प्राथमिकता वाली खेल विधाओं के रूप में अभिज्ञात किया गया है ।

(v) ओलंपिक बाउंड की चोट की रोकथाम / स्वास्थ्य लाभ संबंधी प्रोटोकॉल की निगरानी के लिए मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के तहत फिजिसियनों, फिजियोथेरेपिस्ट और मस्कुलोस्केलेटल विशेषज्ञों का एक कोर ग्रुप से युक्त एक त्वरित प्रतिक्रिया चोट और प्रबंधन पुनर्वास सेल की स्थापना।

(vi) जीवन कौशल पर एथलीटों को जानकारी देना और शिक्षित करना जिसमें दबाव से निपटने, संचार, मीडिया से बातचीत और खेल विज्ञान जैसे विषय हों ।

(vii) ओलंपिक खेलों की तैयारी में एथलीटों को बेहतर तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए भारत में और विश्व स्तर पर कोचों, अकादमियों और खेल विज्ञान विशेषज्ञों के एक उच्च प्रदर्शन नेटवर्क का निर्माण ।

(viii) सॉफ्टवेयर और प्रौद्योगिकी का उपयोग - एथलीट निगरानी, अनुसंधान और विश्लेषण तथा वैज्ञानिक उपायों के प्रयोजन से प्रशिक्षण, प्रदर्शन, चोट और अन्य मापदंडों को रिकॉर्ड करना ।

(ix) खेलो इंडिया स्कीम के घटक "खेल अवसंरचना का उपयोग और निर्माण" के तहत, 2328.39 करोड़ रुपये की 282 खेल अवसंरचना परियोजनाओं को पिछले पांच वर्ष के दौरान संस्वीकृत किया गया है ।

(x) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि के उच्चतम स्तर को प्राप्त करने के लिए 'खेलो इंडिया स्कीम' के 'प्रतिभा पहचान और विकास' घटक के तहत खेल प्रतिभा की पहचान और पोषण । अब तक, पैरा खेलों सहित 21 खेल विधाओं में 2623 खेलो इंडिया एथलीटों (केआईए) का चयन किया गया है । इन चयनित एथलीटों को उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए, स्कीम के "राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य खेल अकादमियों को सहायता" नामक घटक के तहत देशभर में 247 अकादमियों (साई और गैर-साई) को मान्यता दी गई है । इन अकादमियों को प्रति एथलीट प्रति वर्ष 6,28,400 रु. (ओपीए के रूप में 1,20,000 रुपये सहित) की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है ।

(xi) खेलो इंडिया स्कीम के तहत राज्य स्तरीय खेलो इंडिया सेंटर (एसएलकेआईसी) की स्थापना । एक मौजूदा खेल सुविधा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपग्रेड करने और एथलीटों के प्रशिक्षण के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए अभिज्ञात किया जा रहा है । इन केंद्रों के लिए व्यवहार्यता गैप विश्लेषण करने के बाद जनशक्ति, खेल उपकरण, खेल विज्ञान सहायता आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है । वर्तमान में, इस घटक के तहत, 27 राज्यों/ संघ राज्यक्षेत्रों में 28 केंद्रों को खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) के रूप में अनुमोदित किया गया है ।

(xii) मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए पुरस्कार राशि में 7.5 लाख रु. से बढ़ाकर 25 लाख रु., अर्जुन पुरस्कार और द्रोणाचार्य (जीवनपर्यंत) पुरस्कार के लिए 5 लाख रु. से बढ़ाकर 15 लाख रु., द्रोणाचार्य (नियमित) पुरस्कार और ध्यानचंद पुरस्कार के लिए 5 लाख रु. से बढ़ाकर 10 लाख रु. वृद्धि की गई है ।

****